रोल नं.
Roll No. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

101

401 (IIA)

2025
हिन्दी

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 80

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र के **दो** खण्ड **'अ'** और **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गए **सभी** प्रश्नों का उत्तर देना **अनिवार्य** है। प्रश्नों के उत्तर यथासम्भव क्रमवार दीजिए।

(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड - 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

सभी मनुष्य स्वभाव से ही साहित्य-स्रष्टा नहीं होते, पर साहित्य-प्रेमी होते हैं। मनुष्य का स्वभाव ही है सुन्दर देखने का। घी का लड्डू टेढ़ा भी मीठा ही होता है, पर मनुष्य गोल बनाकर उसे सुन्दर कर लेता है। मूर्ख-से-मूर्ख हलवाई के यहाँ भी गोल लड्डू ही प्राप्त होता है, लेकिन सुन्दरता को सदा-सर्वदा तलाश करने की शक्ति साधना के द्वारा प्राप्त होती है। उच्छृंखलता और सौन्दर्य-प्रेम में अन्तर है। बिगड़े दिमाग का युवक परायी बहू-बेटियों के घूरने को भी सौन्दर्य-प्रेम कहा करता है, हालाँकि यह संसार की सर्वाधिक असुन्दर बात है। जैसा कि पहले ही बताया गया है, सुन्दरता सामंजस्य में होती है और सामंजस्य का अर्थ होता है, किसी चीज का बहुत अधिक और किसी का बहुत कम न होना। इसमें संयम की बड़ी जरूरत है। इसलिए सौन्दर्य-प्रेम में संयम होता है, उच्छृंखलता नहीं। इस विषय में भी साहित्य ही हमारा मार्गदर्शक हो सकता है।

जो आदमी दूसरों के भावों का आदर करना नहीं जानता उसे दूसरे से भी सद्भावना की आशा नहीं करनी चाहिए। मनुष्य कुछ ऐसी जटिलताओं में आ फँसा है कि उसके भावों को ठीक-ठीक पहचानना हर समय सुकर नहीं होता। ऐसी अवस्था में हमें मनीषियों के चिन्तन का सहारा लेना पड़ता है। इस दिशा में साहित्य के अलावा दूसरा उपाय नहीं है। मनुष्य की सर्वोत्तम कृति साहित्य है और उसे मनुष्य पद का अधिकारी बने रहने के लिए साहित्य ही एकमात्र सहारा है। यहाँ साहित्य से हमारा मतलब उसकी सब तरह की सात्विक चिन्तन-धारा से है।

(क) मनुष्य का स्वभाव प्रायः कैसा होता है? 2

(ख) लड्डू का उदाहरण किस सन्दर्भ में दिया गया है? 2

(ग) उच्छृंखलता और सौन्दर्य-प्रेम में क्या अन्तर है? 2

(घ) लेखक ने संसार की सबसे बुरी बात किसे माना है? 1

(ङ) जीवन में सामंजस्य बनाने के लिए क्या आवश्यक है? 1

(च) मनुष्य की सर्वोत्तम कृति किसे कहा गया है? 1

(छ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए- 8

(क) भारत में महिलाओं की सुरक्षा

(ख) जंक फूड के हानिकारक प्रभाव

(ग) पर्यावरण व मानव स्वास्थ्य

(घ) जनसंख्या विस्फोट

3. निम्नलिखित प्रश्नखण्डों के सही उत्तर-विकल्प अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए- $1 \times 5 = 5$

(क) टेलीविजन किस प्रकार का संचार माध्यम है-

(i) श्रव्य दृश्य माध्यम

(ii) दृश्य माध्यम

(iii) श्रव्य माध्यम

(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ख) सम्पादकीय किसे कहते हैं-

(i) समस्या की रिपोर्ट

(ii) सम्पादक द्वारा किसी प्रमुख घटना और समस्या पर लिखा गया विचारात्मक लेख

(iii) सरकार व जनता के बीच की कड़ी

(iv) इनमें से कोई भी नहीं

(ग) समाचार के छः ककार हैं-

(i) क्या, किसके, कहाँ, कब, क्यों और कैसे

(ii) क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों और किधर

(iii) क्या, काम, कहाँ, कब, क्यों और कौन

(iv) क्या, क्यों, कब, कहाँ, किधर और किसका

(घ) इण्टरनेट पत्रकारिता का अर्थ है-

(i) आपत्तिजनक गतिविधियों को प्रकाश में लाना

(ii) समाचारों में संतुलन स्थापित करना

(iii) इण्टरनेट द्वारा त्वरित गति से समाचारों, सूचनाओं का प्रसारण करना

(iv) महत्व के अनुसार समाचारों को स्थान देना

(ङ) ड्राई एंकर किसे कहते हैं-

(i) संवाददाता से मिली जानकारी को दृश्यों के बगैर बताना

(ii) सूचना देना

(iii) कम समय में अधिक जानकारी प्रदान करना

(iv) घटना स्थल से सीधा प्रसारण

4. 'प्लास्टिक की समस्या' विषय पर लगभग 150 शब्दों का एक आलेख लिखिए। 5

अथवा

विद्यालय में मनाए गए 'स्वतन्त्रता दिवस' पर लगभग 150 शब्दों की एक रिपोर्ट तैयार कीजिए।

5. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(i) बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे-
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है!
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है!
मुझसे मिलने को कौन विकल?
मैं होऊँ किसके हित चंचल?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है!
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है!

(क) चिड़िया के बच्चे किस प्रत्याशा में होंगे? 2

(ख) वह कौन-सी शक्ति है, जो चिड़िया के पंखों में चंचलता भर देती है? 2

(ग) उपर्युक्त पद्यांश के रचनाकार का नाम बताइए। 1

(ii) तिरती है समीर-सागर पर
अस्थिर सुख पर दुख की छाया-
जग के दग्ध हृदय पर
निर्दय विप्लव की प्लावित माया-
यह तेरी रण-तरी
भरी आकांक्षाओं से,
घन, भेरी-गर्जन से सजग सुप्त अंकुर
उर में पृथ्वी के, आशाओं से
नवजीवन की, ऊँचा कर सिर,
ताक रहे हैं, ऐ विप्लव के बादल!

(क) 'अस्थिर सुख पर दुःख की छाया' का प्रतीकार्थ स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) बादल विप्लव क्यों लाना चाहते हैं? 2

(ग) उपर्युक्त पद्यांश के रचनाकार व पाठ का नाम बताइए। 1

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उसका भाव-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए - 2

कविता एक खिलना है फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने!
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने?

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2×2=4

(क) 'कैमरे में बंद अपाहिज' करूणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है- स्पष्ट कीजिए।
(ख) शायर राखी के लच्छे को बिजली की चमक की तरह कहकर क्या भाव व्यंजित करना चाहता है?
(ग) छोटे चौकोने खेत को कागज का पन्ना कहने में क्या अर्थ निहित है?

8. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2×3=6

(i) बाजार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जायेगा। मन खाली है तो बाजार की अनेकानेक चीजों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं हुई उस वक्त जेब भरी तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है! मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ। सभी सामान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है। पर यह सब जादू का असर है। जादू की सवारी उतरी कि पता चलता है कि फ़ैंसी चीज़ों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि खलल ही डालती है। थोड़ी देर को स्वाभिमान को जरूर सेंक मिल जाता है पर इससे अभिमान की गिल्टी की और खुराक ही मिलती है। जकड़ रेशमी डोरी की हो तो रेशम के स्पर्श के मुलायम के कारण क्या वह कम जकड़ होगी?

(क) जेब भरी होने पर बाजार में खड़े व्यक्ति को क्या लगता है?
(ख) फैंसी चीजों की बहुतायत का व्यक्ति को क्या लाभ होता है?
(ग) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक व पाठ का नाम लिखिए।

(ii) दूसरे दिन तड़के ही सिर पर कई लोटे औंधा कर उसने मेरी धुली धोती जल के छींटो से पवित्र कर पहनी और पूर्व के अंधकार और मेरी दीवार से फूटते हुए सूर्य और पीपल का, दो लोटे जल से अभिनंदन किया। दो मिनट नाक दबाकर जप करने के उपरांत जब वह कोयले की मोटी रेखा से अपने साम्राज्य की सीमा निश्चित कर चौके में प्रतिष्ठित हुई, तब मैंने समझ लिया कि इस सेवक का साथ टेढ़ी खीर है। अपने भोजन के संबंध में नितांत वीतराग होने पर भी मैं पाक विद्या के लिए परिवार में प्रख्यात हूँ और कोई भी पाक कुशल दूसरे के काम में नुक्ताचीनी बिना किए रह नहीं सकता। पर जब छूत-पाक पर प्राण देने वाले व्यक्तियों का, बात-बात पर भूखा मरना स्मरण हो आया और भक्तिन की शंकाकुल दृष्टि में छिपे हुए निषेध का अनुभव किया, तब कोयले की रेखा मेरे लिए लक्ष्मण के धनुष से खींची हुई रेखा के सामने दुर्लंघ्य हो उठी। निरुपाय अपने कमरे में बिछौने में पड़कर नाक के ऊपर खुली हुई पुस्तक स्थापित कर मैं चौके में पीढ़े पर आसीन अनधिकारी को भूलने का प्रयास करने लगी।

(क) रसोई में जाने से पूर्व भक्तिन क्या काम करती थी?
(ख) लेखिका को भक्तिन से निपटना टेढ़ी खीर क्यों लगा?
(ग) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ व लेखिका का नाम बताइए।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2×2=4

(क) जीजी ने इंदर सेना पर पानी फैंके जाने को किस तरह सही ठहराया?

(ख) लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत की तरह क्यों माना है?

(ग) जाति प्रथा को श्रम-विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे आंबेडकर के क्या तर्क हैं?

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 1×3=3

(क) यशोधर बाबू की कहानी को दिशा देने में किशनदा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आपके जीवन को दिशा देने में किसका महत्वपूर्ण योगदान रहा और कैसे?

(ख) कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया? 'जूझ' पाठ के आधार पर बताइये।

(ग) 'सिंधु-सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्य बोध है जो राज-पोषित या धर्म-पोषित न होकर समाज-पोषित था।' ऐसा क्यों कहा गया?

(घ) मंत्री मास्टर का छात्रों पर क्या प्रभाव पड़ा?

11. 'जूझ' शीर्षक के औचित्य पर विचार करते हुए यह स्पष्ट करें कि क्या यह शीर्षक कथानायक की किसी केंद्रीय चारित्रिक विशेषता को उजागर करता है? 4

अथवा

'अतीत में दबे पाँव' के आधार पर मुअनजो-दड़ो के दर्शनीय स्थलों का परिचय दीजिए।

खण्ड - 'ब'

12. निम्नलिखितं गद्यांशं पठित्वा केवलं **त्रीन्** प्रश्नान् संस्कृतभाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत- 1×3=3
(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल **तीन** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्यों में दीजिए)

अरूणाचलप्रदेशे रूपग्रामे उभौ सहोदरौ निवसतः स्म। तयोः ज्येष्ठः बौद्धसंन्यासी, कनीयान् च व्याधवृत्तिम आश्रितः। अनुजः एव गृहपोषणं करोति स्म। प्रतिदिनं सः अरण्यं गत्वा पशून हत्वा मासं सङ्गृह्य आगच्छति स्म। तेन मांसेन एव गृहे पाकः सञ्जीक्रियते स्म। बौद्धसंन्यासिने एतत् मांससेवनं न रोचते स्म। मांसभक्षणं यदा तेन निराकृतं तदा अनुजः तम् अवदत्- "मृगया अस्माकं कुलवृत्तिः। मांसखादनं यदि परित्यज्येत तर्हि गृहजनैः सर्वैः उपवासः आचरणीयः भवेत्। अन्यच्च, जीविहननं क्रियते मया, न तु भवता, पापं प्राप्येत मया। भोजनसमये पापपुण्यचिन्ता न करणीया" इति।

(क) अरूणाचलप्रदेशे रूपग्रामे कौ निवसतः स्म?

(ख) अनुजः प्रतिदिनं किं करोति स्म?

(ग) मांसखादनं यदि परित्यज्येत तर्हि किं भवेत्?

(घ) मांसेन किं क्रियते?

13. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा केवलं **त्रीन्** प्रश्नान् संस्कृत भाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत- 1×3=3
(अधोलिखित श्लोक को पढ़कर केवल **तीन** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)
वल्ली वेष्टयते वृक्षं सर्वतश्चैव गच्छति।
न ह्यदृष्टेश्च मार्गोऽस्ति तस्मात्पश्यन्ति पादपाः।

(क) का वृक्षं वेष्टयते?

(ख) अदृष्टेः कः न अस्ति?

(ग) वल्ली किं करोति?

(घ) मार्गः कस्य अस्ति?

14. निम्नलिखितेभ्यः प्रश्नेभ्यः केवलं **चत्वारि** प्रश्नान् संस्कृतभाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×4=8
(निम्नलिखित प्रश्नों में से केवल **चार** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्यों में दीजिए)

(क) विद्यालयस्य वार्षिक-विवरणस्यः प्रस्तुतीकरणं कः करिष्यति?

(ख) मण्डूकस्य साफल्यस्य कारणं किम् आसीत् ?

(ग) युवकः आंग्लन्यायाधीशस्य समक्षं किम् अवदत्?

(घ) अहं कदापि मांसभक्षणं न करिष्यामि इति अग्रजः किमर्थम् उक्तवान?

(ङ) वासुदेवः दुर्योधनस्य सभां किमर्थं गतवान्?

(च) केषां शरीरे पञ्च धातवः भवन्ति?

15. निम्नलिखितः शब्दसूचीतः **त्रीन्** शब्दान् चित्वा तेषां वाक्यप्रयोगं संस्कृतभाषायां कुरुत- 1×3=3

(निम्नलिखित शब्दों में से **तीन** शब्दों को चुनकर उनका संस्कृत में वाक्य-प्रयोग कीजिए)

शब्द सूची - लक्ष्यैकदृष्टिः, अस्माकम्, ददाति, केषाम्, पशवः, अम्बोदाः करिष्यामि, यस्य

16. अधोलिखितान् प्रश्नान् यथानिर्देशम् उत्तरत- ½×6=3
(निम्नलिखित प्रश्नों का निर्देशानुसार उत्तर दीजिए)

(क) 'रामः विप्राय दानं ददाति' अत्र विप्राय पदे कारकः अस्ति-
('रामः विप्राय दानं ददाति', यहाँ विप्राय पद में कारक है-)

(i) अधिकरण कारक

(ii) अपादान कारक

(iii) सम्प्रदान कारक

(ख) 'सप्तशती' शब्दे कः समासः अस्ति-
('सप्तशती' शब्द में कौन सा समास है-)
(i) तत्पुरूषः
(ii) द्विगुः
(iii) कर्मधारयः

(ग) 'पितृ' शब्दस्य चतुर्थी विभक्ति बहुवचने रूपं भवति-
('पितृ' शब्द का चतुर्थी विभक्ति बहुवचन में रूप है-)
(i) पितरौ
(ii) पित्रे
(iii) पितृभ्यः

(घ) 'गम्' धातोः लृटलकारः प्रथम पुरूष एकवचने रूपं भवति-
('गम्' धातु का लृट लकार प्रथम पुरूष एकवचन में रूप है-)
(i) गमिष्यसि
(ii) गमिष्यति
(iii) गमिष्यामि

(ङ) 'मृगाः + चरन्ति' इति विग्रहे सन्धि अस्ति-
('मृगाः + चरन्ति' इस विग्रह में सन्धि है-)
(i) मृगाश्चरन्ति
(ii) मृगाचरन्ति
(iii) मृगचरन्ति

(च) 'नमस्ते' पदे सन्धि विच्छेदः अस्ति-
('नमस्ते' पद में सन्धि विच्छेद है-)
(i) नमः + ते
(ii) नमस् + ते
(iii) नम् + सते

17. अस्मिन् प्रश्नपत्रे आगतं श्लोकं विहाय कमपि एकं कण्ठस्थं श्लोकं लिखित्वा तस्य हिन्दीभाषायां अनुवादं कुरुत। 2×2=4
(इस प्रश्न-पत्र में आए हुए श्लोक से अतिरिक्त कोई एक कण्ठस्थ श्लोक लिखकर उसका हिन्दी में अनुवाद कीजिए।)

*****